सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 143 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 28 जून, 2025
मूल्य ₹ 3/-

एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश कितनी दूर तक जाता है, इसी तरह इस बुरी दुनिया में एक अच्छा काम चमचमाता है।
–विलियम शेक्सपीयर

विश्वकप की तैयारियों को जांचने... 7 | छटाई के बाद अवैध रूप से बेचा... 3 | सांप्रदायिक लोग ही धर्म निरपेक्षता... 2

4पीएम की खबर पर हंगामा

कूड़े के 17 में से 16 टेंडर निरस्त, सबसे गड़बड़ी वाले अलीगढ़ के टेंडर को छोड़ा गया

इकोस्टेन पर भ्रष्ट अफसरों की मेहरबानी

» फर्जी बैंक गारंटी लगाने वाली इकोस्टेन पर मेहरबान हैं यूपी के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात

» अलीगढ़ में 4 लाख मीट्रिक टन कूड़े के ढ़ेर को दिखा दिया पौने 6 लाख मीट्रिक टन

» योगी सरकार ने अलीगढ़ में कूड़े के नाम पर किया करोड़ों का खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आप सपने भी कल्पना नहीं कर सकते की योगी सरकार में कूड़े में भ्रष्टाचार का कितना बड़ा खेल कर दिया गया। जिस इकोस्टेन कंपनी ने बैंक गारंटी तक फर्जी लगाई उसको कई जिलों में काम दे दिया गया। जब 4पीएम ने इस मामले का भंडाफोड़ किया तो पता चला कि अफसरों ने कूड़े में करोड़ों की कमाई कर डाली। बताया जाता है कि नगर विकास के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात इकोस्टेन कंपनी पर खासे मेहरबान हैं।

इस मामले में जब हंगामा मचा तो फिर 29 अप्रैल को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की तकनीकी बैठक बुलाई गयी जिसमें 17 में से 16 जगह के टेंडर कैंसिल कर दिये गये। मगर अलीगढ़ का सबसे बड़ा टेंडर जो लगभग 20 करोड़ का था उसे यह कहकर छोड़ दिया गया कि इस बैठक में नगर आयुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ने नहीं जुड़े है इसलिए इसका फैसला अगली मीटिंग तक के लिए टाल दिया गया। दरअसल इसके पीछे खेल यह था कि कंपनी अलीगढ़ का काम जल्दी शुरू कर दे क्योंकि अलीगढ़ में 5 लाख 70 हजार मीट्रिक टन की जगह मौके पर सिर्फ 4 लाख टन मीट्रिक टन ही कूड़ा है। 4पीएम के पास ड्रोन से कूड़े की मैपिंग की रिपोर्ट भी है। जाहिर है कि लगभग दो गुना कूड़ा दिखा कर करोड़ों की हेराफेरी कर दी गयी। अब अगर यह टेंडर भी निरस्त होता तो पता चल जाता कि इस टेंडर में करोड़ों का खेल किया गया है। आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने लोकायुक्त में इस भ्रष्टाचार की शिकायत भी कर रखी है।

लखनऊ में भी इकोस्टेन के काले कारनामें आए सामने

ड्रोन सर्वे में खूल गई अफसरों की पोल

फर्जी बैंक गारंटी भी पकड़ी जा चुकी है इस कंपनी की

नगर पालिका परिषद पीथमपुर में आईसीआईसीआई बैंक ग्रेटर नोएडा को खत लिख कर पूछा था कि क्या इकोस्टेन द्वारा लगाई गयी बैंक गारंटी सही है इसके जवाब में बैंक ने लिखा कि उन्होंने ने इस तरह की कोई बैंक गारंटी जारी नहीं की है। होना यह चाहिए था कि इसके बाद इस कंपनी के खिलाफ एफआईआर होनी चाहिए थी जो नहीं कराई गई।

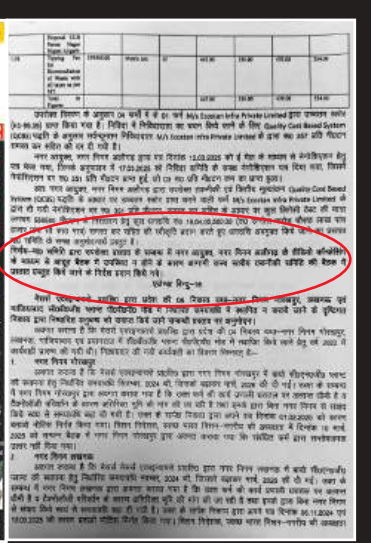

अमृत अभिजात, अपर मुख्य सचिव

बिना टेंडर के दिए गए काम

इस कंपनी पर नगर विकास के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात की नजरे इनायत हमेशा बनी रहती हैं। उनकी मेहरबानी की वजह से उसे बिना टेंडर के के ही 45 करोड़ से अधिक का काम सौप दिया गया। तुर्रा ये की काम भी नही हुआ और भुगतान भी कर दिया गया। कूड़े के इस कारोबार में कितनी मलाई है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है इसके भ्रष्टाचार की शिकायत शासन, हरित ट्रिब्यूनल, लोकायुक्त से लेकर उच्च न्यायालय तक की गई। शिकायतें बढ़ती गईं पर कूड़े से झोलियां भरने वाले कम नही हुए। क्या लखनऊ, क्या प्रयागराज, क्या अलीगढ़, क्या पडरौना मतलब यूपी के पूर्व से पश्चिम तक कूड़ा आज सोने के कारोबार की तरह हो गया है।

सांप्रदायिक लोग ही धर्म निरपेक्षता व समाजवाद के विरोधी : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- धर्म निरपेक्षता की सोच देश की गंगा-जमुनी तहजीब की हिफाजत करती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवाद और धर्म निरपेक्षता की सोच लोगों को करीब लाती है। इनका विरोध करने वाले लोग सांप्रदायिक होते हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने कहा था कि संविधान में धर्म निरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात है।

अखिलेश यादव ने कहा कि धर्म निरपेक्षता की सोच देश की गंगा-जमुनी तहजीब की हिफाजत करती है। अलग-अलग धर्म के लोगों को एक दूसरे से जोड़ती है। इससे हमारा समाज मजबूत होता है।

उन्होंने कहा कि एकाधिकारीवादी लोग समाजवाद का विरोध करते हैं क्योंकि इससे उनका वर्चस्व कमजोर होता है। सोशलिस्ट और सेकुलर होने के लिए बड़े दिलवाला होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द, सकारात्मक राजनीति की बुनियादी बाते हैं, जिसे साम्प्रदायिक राजनीति करने वाले स्वीकार नहीं कर सकते है क्योंकि उनकी आधार ही सांप्रदायिक है इसीलिए पीडीए की ताकत व्यक्तिवादी लोगों के लिए चुनौती बन गई है। सपा प्रमुख ने कहा कि आंकड़े खुद बताते हैं कि प्रदेश में दलितों और महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं सबसे ज्यादा हो रही है।

भाजपा सत्ता में आने के बाद संविधान को नहीं मानती

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इटावा में भागवत कथा वाचकों के खिलाफ एफआईआर को लेकर कहा कि इस सरकार में कुछ भी हो सकता है। इस सरकार में जिसका अपमान होता है, मारा पीटा जाता है, उसी का उत्पीड़न होता है। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग शंकराचार्यों से झूठ बोल सकते हैं, गंगा में स्नान करने के बाद झूठ बोल सकते हैं, कुम्भ में मरने वालों की संख्या पर झूठ बोल सकते हैं, वह कुछ भी कर सकते हैं। भाजपा सत्ता में पहुंचने के लिए तो संविधान की बात करती है लेकिन जब सत्ता में आ जाती है तब संविधान नहीं मानती है।

माता प्रसाद और लाल बिहारी पर हमला की जांच हो, वरना साजिश मानेंगे

अखिलेश यादव ने गोरखपुर के दौरे के दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व वरिष्ठ समाजवादी नेता माता प्रसाद पांडेय और लाल बिहारी यादव पर हमले की निंदा करते हुए कहा कि आरोपियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो अन्यथा ये माना जाएगा कि इसके पीछे सोची-समझी साजिश रची गयी थी। अखिलेश ने कहा कि गोरखपुर में 'विरासत गलियारे' में जमीन-मकान का मुआवजा सहमति से नहीं बल्कि बाजार की कीमत के हिसाब से देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'कॉरिडोर' के नाम पर एक बहुत ब?ा भाजपाई लूट तंत्र सक्रिय है, जो तरह-तरह के बहाने करके आसपास के लोगों की जमीन औने-पौने दाम में ले लेता है और बाद में ऊंचे दामों में बेच देता है।

सपा बिहार में तेजस्वी के साथ

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को मजबूत करने में मदद करेगी। अखिलेश यादव ने सपा मुख्यालय में कहा कि हम तेजस्वी यादव को मजबूत करने में मदद करेंगे और राजद नेता लालू प्रसाद यादव के साथ खड़े नजर आएंगे। यादव ने कहा कि उनकी पार्टी ने छत्रपति शाहूजी महाराज, डॉ. बीआर अंबेडकर, राम मनोहर लोहिया और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया है। अखिलेश यादव ने पुष्टि की कि उन्होंने लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव, जिन्हें आरजेडी और परिवार से निकाल दिया गया है, से वीडियो कॉल के ज़रिए बात की, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह इतना महत्वपूर्ण हो जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि तेज प्रताप यादव ने उन्हें दो बार कॉल किया था और उन्होंने (अखिलेश) वीडियो कॉल के ज़रिए ही जवाब दिया।

जगन रेड्डी को अदालत से राहत

» काफिले की चपेट में आकर समर्थक की हुई थी मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को गुंटूर में पार्टी प्रमुख की रैली के दौरान एक वाईएसआरसीपी समर्थक की मौत के मामले में अंतरिम राहत प्रदान की। पूर्व मुख्यमंत्री को राहत प्रदान करते हुए न्यायालय ने कहा कि सभी सावधानियों के बावजूद, कुंभ मेले में भी दुर्घटनाएं होती रहीं।

18 जून को रैली के दौरान पलानाडु जिले के सतनापल्ले में जगन रेड्डी के काफिले में शामिल एक वाहन ने 53 वर्षीय सी सिंगय्या को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा कार की पहचान जगन रेड्डी की कार के रूप में किए जाने के बाद, उनकी कार को जब्त कर लिया गया और वाईएसआरसीपी प्रमुख तथा पार्टी के अन्य सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। जगन रेड्डी ने एफआईआर को नायडू सरकार की ध्यान भटकाने की रणनीति भी कहा कि उसी दिन दर्ज की गई एफआईआर में गैर इरादतन हत्या और लापरवाही से मौत का आरोप लगाया गया था। इस कदम से जगन रेड्डी और उनकी पार्टी की ओर से तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया आई और उन्होंने आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर सवाल उठाए और जेड+ सुरक्षा प्रोटोकॉल में चूक का दावा किया। जबकि वाईएसआरसीपी ने कहा कि सिंगय्या की मौत जगन रेड्डी के काफिले के पास होने पर हुई, वहीं तेलुगु देशम पार्टी ने दावा किया कि उन्हें काफिले की एक गाड़ी ने कुचल दिया। इसके बाद जगन रेड्डी ने उक्त हिट-एंड-रन मामले के खिलाफ आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में एक निरस्तीकरण याचिका दायर की।

सूत्रों के अनुसार, अपनी अपील में उन्होंने आरोप लगाया कि उनका नाम जानबूझकर आरोपी के रूप में जोड़ा गया और कहा कि उन्हें फंसाया जा रहा है।

पिछली सरकारों ने पंजाब में नशे को फैलाने का काम किया : सिसोदिया

आप नेता ने पहले सरकारी जिम का किया शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोगा (पंजाब)। आप नेता व दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान की पूरी टीम पंजाब की जनता को बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं देने के लिए लगातार प्रयास कर है और सफल भी रही है। पिछली सरकारों ने पंजाब में नशे को खत्म करने की बजाय उसे फैलाने का काम किया, जबकि मान सरकार नशे के खिलाफ एक निर्णायक जंग लड़ रही है।

नशा बेचने वालों के खिलाफ बुलडोजर करवाई करके उन्हें जेल में भी डाला जा रहा है। नशा पीड़ितों के लिए मुफ्त इलाज की व्यवस्था है। पंजाब में कोई भी नशे के कारोबारी चाहे किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़े हुए हों उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। आपको बता दें पंजाब के युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पंजाब सरकार की तरफ से मोगा के गांव दारापुर में सरकारी जिम शुरू किया गया है। यह राज्य का पहला सरकारी जिम है। जिम का उद्घाटन वीरवार को आम आदमी पार्टी (आप) के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने किया। जिम में आधुनिक तकनीक से लैस तमाम फिटनेस मशीनें लगाई गई हैं। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग समय निर्धारित किया गया है, ताकि सभी लोग सुविधा से इसका लाभ उठा सकें। पंचायती राज फंड से लगभग 50 लाख रुपये की लागत से इस जिम सेंटर का निर्माण किया गया है।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि भगवंत मान सरकार ने पंजाब में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में कई अहम कदम उठाए हैं। दारापुर ग्राम पंचायत ने जो कदम उठाया उसको देखने आज मोगा आया। एक सरपंच अपने गांव को सुधारने लिए बहुत कुछ कर सकता है, यह गांव पंजाब में एक मिशाल बना है। पंचायत की तरफ से इस जिम की शुरुआत की है। जिम सेंटर युवाओं के लिए महत्वपूर्ण पहल है, जिससे युवा फिट रहेंगे और नशे से दूर रहेंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बुरे फंसे मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में एक व्यक्ति को कथित रूप से मानव मल खिलाने का मामला झूठा निकला है। इस प्रकरण में अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर झूठा बयान दिलवाने और वीडियो वायरल कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मुंगावली थाना क्षेत्र के मूड़रा गांव निवासी गजराज लोधी ने इस पूरे घटनाक्रम का खंडन करते हुए अशोकनगर कलेक्टर को शपथ पत्र सौंपा है।

गजराज ने लिखा कि 25 जून को कांग्रेस नेताओं ने उसे ओरछा ले जाकर जीतू पटवारी से मुलाकात कराई। वहां पटवारी ने उसे कहा कि मानव मल खिलाने का आरोप लगाना होगा। बदले में मोटरसाइकिल और आर्थिक मदद दिलाने का भरोसा दिया गया। गजराज ने बताया कि मानसिक तनाव के चलते उसने झूठा बयान दे दिया। यह बयान वीडियो बनवाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। शपथ पत्र में उसने स्पष्ट किया कि सरपंच के बेटे विकास और उसके साथियों ने उसके साथ केवल मारपीट की थी और मोटरसाइकिल छीन ली थी। मानव मल खिलाने की कोई घटना नहीं हुई थी।

कूड़ा मुक्त शहर में भी खेल!

छटाई के बाद अवैध रूप से बेचा जा रहा है राजधानी में कूड़ा

- रोड पर डंपर से देर तक दिन में गिराया जाता है कूड़ा
- सफाई में लगी लायन कंपनी के कर्मचारी ही कूड़े को बेच रहे है
- जहरीली गैसें फैलने का भी खतरा

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर की सफाई की बातें करने वाले नगर निगम लखनऊ शहरवासियों के कितना गंभीर है इसका अंदाजा देखना हो तो जोन 5 में रेलवे कॉलोनी पटेल नगर में आकर देखा जा सकता है। वहां पर सफाई व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब है। इस क्षेत्र में कूड़ा एक जगह जमा होकर छांटा और फिर उसके बाद अवैध रूप से बेचा जा रहा है।

इसके लिए दर्जनों कर्मचारी भी तैनात हैं। जबकि और जोनों में नगर निगम लखनऊ के लिए लायन एंड एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सफाई व्यवस्था की जा रही है यह व्यवस्था तीन जोनों में की जा रही है। लेकिन जोन 5 में भयंकर गंदगी व्याप्त है। इस समस्या की गंभीरता को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि कूड़े के ढेर से न केवल क्षेत्र के निवासियों को परेशानी हो रही है, बल्कि इससे स्वास्थ्य के लिए भी खतरा हो सकता है। कूड़े के ढेर से निकलने वाली बदबू और जहरीली गैसें वातावरण को प्रदूषित कर सकती हैं और लोगों को बीमार कर सकती हैं।

निवासियों को सफाई व्यवस्था का पूरी तरह से मिले लाभ

नगर निगम लखनऊ को जोन 5 में सफाई व्यवस्था को सुधारने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए। कूड़े के ढेर को हटाकर उसे उचित तरीके से निपटाना चाहिए, क्षेत्र में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, कूड़ा छांटने और बेचने के लिए उचित व्यवस्था करनी चाहिए जिससे बंदरबांट न हो सके और क्षेत्र के निवासियों को सफाई व्यवस्था के महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए। नगर निगम लखनऊ को इन कदमों को उठाकर जोन 5में सफाई व्यवस्था को सुधारना चाहिए और क्षेत्र के निवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना चाहिए। नगर निगम लखनऊ को अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने और जोन 5 में सफाई व्यवस्था को सुधारने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। इससे न केवल क्षेत्र के निवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिलेगा, बल्कि शहर की सुंदरता और स्वच्छता भी बढ़ेगी। नगर निगम लखनऊ को अपने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए और क्षेत्र के निवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना चाहिए।

कूड़े से लेकर सफाई तक में पहले भी कंपनी पर उठ चुके है सवाल

लायन कंपनी के ऊपर सफाई में लापरवाही को लेकर कई बार सवाल खड़े हो चुके है फिर से एक बार आलमबाग जोन 5 में यही गंदगी और रोड पर कूड़े का ढेर दिखाई दे रहा है। जोन 5 में स्वास्थ्य विभाग के नाले भी भरे हुए है बरसात को देखते हुए पहले निर्देश जारी हो चुका है उसके बाद भी कोई भी नाले की सफाई नहीं हुई है ऐसे में अगर बरसात होती है तो जनता को मुसीबत का सामना करना पड़ेगा। जिसके बाद आसामी लोगों का लगा रहता है जमावड़ा कूड़े को छटकर जाता है बेचा।

नगर निगम अपनी जिम्मेदारी को पूरा नहीं कर रहा

नगर निगम लखनऊ की जिम्मेदारी है कि वह अपने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित करे। लेकिन जोन 5 में सफाई व्यवस्था की स्थिति देखकर लगता है कि नगर निगम अपनी जिम्मेदारी को पूरा नहीं कर रहा है। नगर निगम को इस समस्या का समाधान करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए थे, लेकिन कूड़े बेचे जाने का खेल जोर-शोर से हो रहा है, जिसमें सीधे तौर से अधिकृत कंपनी के ही कर्मचारी सम्मिलित हैं।

जल निगम शहरी में करीब साढ़े नौ हजार कर्मचारी और पेंशनर्स

यूपी जल निगम शहरी के करीब साढ़े नौ हजार कर्मचारियों और पेंशनर्स को सैलरी-पेंशन नहीं मिली है। हालात ऐसे हो गई हैं कि किसी पेंशनर के पास दवा खरीदने के पैसे नहीं हैं। इसके साथ इन कर्मचारियों को बच्चों को पढ़ाने में भी समस्या आ रही है. जल निगम शहरी के पास लगातार काम नहीं है । इसी काम की वजह से जल निगम को सरकार से पैसा मिलता था ऐसे में निग बंदी की कगार पर पहुंच गया है। चार माह से सैलरी न मिलने से कर्मचारी परेशान हैं.। यूनियन का कहना है कि इस संबंध में कोई भी अधिकारी खुलकर नहीं बोल रहा है. वहीं नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने इस मामले में जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

दो हिस्सों में बटा जल निगम

पहले जल निगम ग्रामीण और शहरी एक साथ काम करते थे. मगर जल जीवन मिशन पर काम तेज होने की वजह से हर घर नल से जल योजना ने काम करना शुरू किया। इसकी वजह से जल निगम ग्रामीण अलग हो गया और जल निगम शहरी अलग काम करने लगा।जल निगम ग्रामीण को जल जीवन मिशन से पैसा मिलने की वजह से वेतन की कोई दिक्कत नहीं है. जल निगम शहरी निर्माण एजेंसी के तहत काम करती है. कामना होने की वजह से जल निगम की आय नहीं हो रही जिसकी वजह से निगम अब बंदी कगार पर है।

बिना नंबर प्लेट के चल रहीं हैं कूड़ा गाड़ियां

कूड़ा उठाने में अधिकतर आसामी लोग ही लगे हैं। लायन कंपनी में कूड़े को बेच रहे है कर्मचारी चालक माजिद ने 4पीएम के कैमरे पर बताया कि वो 2 साल से इसी कंपनी में काम करता है और उसी के साथी लोग लायन कंपनी की गाड़ी से फ्रेश कूड़े को छांटकर बेचने का काम करते हैं। साथ ही जिस गाड़ी को चालक माजिद चला रहा है उसमें न तो नंबर प्लेट है और नहीं कम्पनी द्वारा गाड़ियों पर नंबर प्लेट लगाई गई है ऐसे में बड़े सवाल खड़े होते है कि नई नई गाड़िया निकलवा ली गई पर नंबर तक नहीं पड़े है ऐसे में कोई भी दुर्घटना घटती हुआ तो इसका जिम्मेदार कौन होगा?

यूपी जल निगम के कर्मचारियों नहीं मिला छह महीने से वेतन-पेंशन

उत्तर प्रदेश जल निगम के कर्मचारियों और पेंशनरों को पिछले 6 महीने से वेतन और पेंशन नहीं मिली है। इस समस्या के समाधान के लिए जल निगम संघर्ष समिति ने पहले चरण में आज प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। जल निगम का नगरीय और ग्रामीण में विभाजन करने से स्थिति और बिगड़ गई है। कर्मचारियों को सातवां वेतनमान नहीं मिल रहा है। महंगाई भत्ता 253 प्रतिशत के बजाय 212 प्रतिशत ही दिया जा रहा है। 2021 से अनुकम्पा नियुक्तियां बंद हैं। कर्मचारियों के लिए चिकित्सा सुविधा की कोई व्यवस्था नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद, धन उपलब्ध होने पर भी कर्मचारियों को भुगतान नहीं किया गया है। कर्मचारियों ने षष्ठम वेतन के बकाया भुगतान की मांग की है, जो न्यायालय के आदेशों के अनुरूप है। साथ ही वेतन और पेंशन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई है। पावर कॉरपोरेशन की तरह पेंशनरों के भुगतान को कोषागार से जोड़ने की मांग भी शामिल है। एकीकरण करने की मांग जल निगम कर्मचारियों ने सातवें वेतनमान को नगरीय और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में समान रूप से लागू करने की मांग की है। प्रशासनिक सुविधा और बेहतर वित्तीय प्रबंधन के लिए नगरीय और ग्रामीण जल निगम का एकीकरण करने की मांग भी की गई है।लंबित मामले निपटाने की मांग अनुकंपा नियुक्ति की बंद की गई व्यवस्था को बहाल करने और लंबित मामलों के निपटारे की मांग भी प्रमुख है। कर्मचारियों ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा और चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लंबित दावों के निपटारे की मांग भी की है। ग्रामीण प्रशासन द्वारा जल निगम एक्ट की अवहेलना कर महंगाई भत्ते में किए गए बदलाव को भी अनियमित बताया गया है। धरना प्रदर्शन में सहायक अभियंता द्वितीय कुमार जैन समेत बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बच्चों में स्कूली स्तर पर खेलों का प्रोत्साहन देना जरुरी!

आजकल मां-बाप बच्चों के मोबाइल फोन के लत से काफी चिंतित हैं। ऐसे में मनोवैज्ञानिकों का मानना हैं कि बच्चों को आउटडोर खेलों के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है इससे वह मोबाइल व टीवी जैसे उपकरणों से दूर होकर अपने शरीर का विकास कर सकेंगे। यहीं नहीं स्कूली स्तर पर खेलो को प्रोत्साहन देने के लिए स्कूलों में छात्रों को खेलो में भाग लेने एवं खेलों के महत्व के बारे मे शिक्षित करना चाहिए। अभी हाल में ऐसी रिपोर्ट आई है कि बच्चों की स्क्रीनिंग टाइम के लिए एक उम्र का निर्धारण आवश्यक है। ऐसी चर्चा हो रही है इसके लिए कम से कम उम्र 16 साल निर्धारित की जाए। कम उम्र में बच्चों को स्क्रीन पर ज्यादा समय देना उनको मानसिक रूप से बीमार कर सकता हैं। इन सबके बीच ये भी जरूरी है कि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होना चाहिए और विद्यार्थियों को पुरस्कृत करना चाहिए। इसके लिए शिक्षकों को खेल और शारीरिक शिक्षा में प्रशिक्षित करना चाहिए। स्कूलों में खेल के मैदान ओर खेल संबंधी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए।

विद्यालय स्तर पर खेलों को प्रोत्साहित कर खेल प्रतिभाओं के विकास के लिए प्रत्येक स्कूल में प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक शारीरिक शिक्षक का पद अनिवार्य रूप से भरा जाना चाहिए। खेल सामग्री पर्याप्त मात्रा में होनी चाहिए। स्कूली स्तर पर खेल को प्रोत्साहित करने के लिए बच्चों के मन में खेल की भावना जगानी होगी। उनके लिए प्रतिदिन स्कूल में एक खेल प्रतियोगिता का आयोजन करना चाहिए। इसके लिए स्कूल में एक अलग से कुछ समय निर्धारित करना आवश्यक है। स्कूल में पढ़ाई के पश्चात बच्चों को थकान महसूस होती है तथा खेल इस थकान को खत्म करता है। छात्रों को खेलों से होने वाले शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताया जाए। खेलों से अनुशासन भी आता है। विद्यालय में प्रतिदिन एक पीरियड खेल का रखा जाए। खेल शिक्षक की नियुक्ति की जाए ताकि वह बच्चों को नए-नए खेल सीखा सके। पारंपरिक खेलों को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण प्रतिभाएं निखरकर सामने आ सके। विद्यालयों में समय-समय पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए। विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया जाए। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो अधिकांश स्कूलों में या तो खेल के मैदान नहीं हैं और जहां थे वे भी अतिक्रमण के शिकार हो गए। स्कूलों के लिए खेल के मैदान अनिवार्य रूप से आरक्षित करने चाहिए। साथ ही पढ़ाई के समय के साथ ही कुछ समय खेल के लिए प्रतिदिन निश्चित तथा अनिवार्य करना चाहिए। खेल शिक्षक की नियुक्तियां भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

“ कम उम्र में बच्चों को स्क्रीन पर ज्यादा समय देना उनको मानसिक रूप से बीमार कर सकता हैं। इन सबके बीच ये भी जरूरी है कि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होना चाहिए और विद्यार्थियों को पुरस्कृत करना चाहिए। इसके लिए शिक्षकों को खेल और शारीरिक शिक्षा में प्रशिक्षित करना चाहिए। स्कूलों में खेल के मैदान ओर खेल संबंधी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

उर्वरक नीति में बदलाव अब समय की मांग

डॉ. वीरेन्द्र सिह लाठर

हरित क्रांति के दौर से पहले किसान प्राकृतिक खेती किया करते थे, जिसमें रासायनिक उर्वरकों की खपत नगण्य थी। उस समय फसलों का उत्पादन और उत्पादकता कम थी। देश के बार-बार अकालग्रस्त होने से, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विदेशी अनाज के आयात पर निर्भर थी। वर्ष 1943 के बंगाल अकाल में 30 लाख से ज्यादा लोग भूख से मारे गए। ऐसी विकट परिस्थितियों में, नीतिकारों ने हरित क्रान्ति के जनक डा. नॉर्मन बोरलॉग द्वारा विकसित गेहूं की बौनी किस्मों और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान से धान की बौनी किस्मों का आयात करके, देश में हरित क्रांति का आगाज किया। इन उन्नत गेहूं-धान की बौनी किस्मों और बाजरा-ज्वार की हाईब्रीड किस्मों से पूरा उत्पादन लेने के लिए, भारी मात्रा में उर्वरकों का आयात और उत्पादन व भूजल आधारित ट्यूबवेल से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया।

हरित क्रांति दौर में अपनाए गए कृषि सुधारों से देश में विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में कई गुणा बढ़ोतरी हुई। जिसकी बदौलत पिछले 5 दशकों से, लगातार बढ़ती आबादी के बावजूद, देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना हुआ है। चावल का पचास हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वार्षिक निर्यात भी कर रहा है। भारत में वर्ष 2022 में उर्वरक की औसत खपत 193 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि थी और लगभग 30 करोड़ मीट्रिक टन उर्वरक की खपत हुई। भारत में यूरिया सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला उर्वरक है। देश में उर्वरक की खपत प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। उर्वरकों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार भारी मात्रा मे वार्षिक आयात करती है। हरियाणा-पंजाब-पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों में गेहूं-धान फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन वार्षिक से ज्यादा है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल आदि प्रदेशों में भी वार्षिक धान की 2-3 फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन से ज्यादा है। इसलिए इन प्रदेशों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से दुगने से भी ज्यादा प्रति हेक्टेयर 250 किलो नाइट्रोजन, 120 किलो फास्फोरस और 200 किलो पोटेशियम के आसपास है।

जबकि वर्षा आधारित बारानी फसलों बाजरा, ज्वार, दलहन, तिलहन आदि के उत्पादक राज्यों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से काफी कम रहती है। उच्च उत्पादकता वाली कन्दमूल और गन्नो जैसी फसलों को अच्छी पैदावार देने के लिए ज्यादा पोषक

तत्वों की आवश्यकता होती है, जिससे इन फसलों की रासायनिक उर्वरक की खपत बहुत ज्यादा होती है।हरित क्रांति दौर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, नीतिकारों ने कृषि क्षेत्र के लिए रासायनिक उर्वरक की सस्ती दर पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक सब्सिडी नीति को अपनाया। किसानों को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर सरकार का व्यय पिछले वित्त वर्ष में 6 प्रतिशत घटकर रुपये 1,77,129.5 करोड़ रह गया, जो 2023-24 के दौरान रुपये 1,88,291.62 करोड़ था। यह गिरावट मुख्य रूप से यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के आयात में गिरावट तथा अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी के कारण हुई है। गिरावट के बावजूद, वास्तविक सब्सिडी बजट में प्रदान की गई रुपये 1,71,310 करोड़ से 3.4 प्रतिशत अधिक है। यूरिया, जो एक पूर्णत: नियंत्रित उर्वरक है, का विक्रय मूल्य पिछले कई वर्षों से 267 रुपये प्रति (45 किग्रा) बैग पर बना हुआ है। उद्योग के अनुमानों से पता चलता है कि सब्सिडी के बिना यह लगभग 1,750 रुपये प्रति बैग हो सकता है। इसी प्रकार, डीएपी का खुदरा मूल्य 1,350 रुपये प्रति बैग तय किया गया है, जो बिना सब्सिडी के लगभग 3,500 रुपये प्रति बैग हो जाएगा। सरकारी विभागों के कदाचार की वजह से लगभग आधे से ज्यादा सब्सिडी वाले कृषि ग्रेड उर्वरक की खपत उद्योगपतियों की फैक्टरियों में गैर-कानूनी तौर पर हो रही है यानी कृषि के लिए दी जा रही केन्द्रीय उर्वरक सब्सिडी का लाभ किसानों को नहीं मिलकर, उद्योगपतियों को मिल रहा है। हर वर्ष फसल बुआई के समय किसानों को उर्वरक पूरी मात्रा में नहीं मिल पा रहा है। उन्हें उर्वरक खुले बाजार से महंगे दाम पर ब्लैक में लेना पड़ रहा है।

किसानों को समय पर पूरी मात्रा में उर्वरक नहीं मिल पाने से, फसल की उत्पादकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। कृषि ग्रेड उर्वरक किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरक नहीं मिलने के चलते सरकार द्वारा नियंत्रित सहकारी उर्वरक कम्पनी इफ्को किसानों को वर्ष 2021 से नैनो यूरिया बेच रही है। इफ्को कम्पनी के दावों के अनुसार नैनो यूरिया तरल स्वरूप में, पारंपरिक दानेदार यूरिया की 50 किलो की एक बोरी का विकल्प है। हरित क्रांति दौर से अग्रणी रहे पंजाब कृषि विश्वविद्यालय आदि अनेक संस्थानों के अनुसंधान में नैनो यूरिया को कृषि क्षेत्र के लिए अनुपयोगी पाया गया है।

क्रिकेट का साम्राज्य और सामूहिक सम्मोहन

अविजित पाठक

हाल ही में, बिहार के ग्रामीण बच्चों के एक समूह के साथ बातचीत में, मैंने उनके पसंदीदा खेल के बारे में पूछा। उन्होंने बड़े उत्साह के साथ जवाब दिया, 'क्रिकेट'। मैंने आगे जानना चाहा; और इस बार उनके पसंदीदा क्रिकेटर का नाम पूछा। और भी जोश के साथ जवाब आया, 'विराट कोहली'। इसने मुझे संवाद आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया और पूछा, क्या आप मुझे किसी महान हॉकी खिलाड़ी या महिला पहलवान का नाम बता सकते हैं? इस बार गहरी खामोशी छा गई। वास्तव में, यह चुप्पी बताती है कि किस तरह क्रिकेट ने हमारी चेतना पर कब्ज़ा जमा लिया है और अंतत: ध्यानचंद जैसे हॉकी के दिग्गज, इंदर सिंह जैसे फुटबॉलर या विनेश फोगाट जैसी महिला पहलवान से जुड़ी हमारी सामूहिक यादों को मिटा दिया है।

वास्तव में, क्रिकेट सर्वव्यापी हो गया है; चाहे गांव हों या शहर; यह झुग्गियों में भी है और गेट लगी कालोनियों में भी; और ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक कांस्टेबल से लेकर रसोई में काम करने वाली गृहिणी तक; या कॉर्पोरेट कार्यकारी से लेकर युवा छात्र तक हर कोई क्रिकेट से सम्मोहित है। इसलिए, इसमें कोई हैरानी नहीं कि और जैसा कि एक अनुमान बताता है, हाल ही में आयोजित आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) को देखने वाले टीवी दर्शकों की संख्या 50 करोड़ से अधिक रही। ऐसा लगता है कि क्रिकेट सिर्फ एक अन्य खेल नहीं है। यह एक तमाशा बन चुका है; एक बहुत बड़े पैमाने पर उपभोग की वस्तु; और सबसे बढ़कर, एक ऐसी आधुनिक पौराणिक कथा, जो जीवन शैली बेचती है- ग्लैमर, पैसा और स्टारडम। असल में, इस घटनाक्रम को समझने के लिए हमें तीन चीजों को समझने की जरूरत है। पहली, क्रिकेट एक बेहद लाभदायक व्यापारिक साम्राज्य में तब्दील हो गया है। चूंकि नवउदारवाद के युग में बाजारवाद को एक गुण माना जाता है, क्रिकेट- जी हां, एक दिवसीय क्रिकेट अपनी तात्कालिकता, जोशीलेपन, विज्ञापन मशीनरी और तकनीकी रूप से परिष्कृत लाइव कवरेज के साथ- एक बिक्री योग्य वस्तु बन गया है।

वास्तव में, हम आईपीएल को एक बेहतरीन बिजनेस मॉडल के रूप में इस तरह समझ सकते हैं, जब हमें यह पता चले कि इसने केवल घरेलू मीडिया राजस्व के जरिए ही 1.21 बिलियन डॉलर से कम नहीं कमाए हैं। और यह मत भूलिए कि बहुत सारे क्रिकेट जुआ एप्लीकेशन सभी हैं- यहां तक कि बड़े क्रिकेटरों द्वारा प्रचारित। तो इसमें क्या हैरानी कि आईपीएल सीजन के दौरान 34 करोड़ से ज़्यादा भारतीयों ने इस जुएबाजी में हिस्सा लिया और दुनियाभर से हुई कमाई 1 बिलियन डॉलर से ज़्यादा की रही। जब मैं इन आंकड़ों को देखता हूं, तो मुझे फटे कपड़ों वाला वह ग्रामीण लड़का याद आता है, जो विराट कोहली को अपना हीरो मानता है। मैं उसे समझाने की कोशिश करता हूं कि उसका पसंदीदा क्रिकेटर भी एक 'उत्पाद' या 'ब्रांड' ही है; और इस बार उसकी 'नीलामी कीमत' सिर्फ 21 करोड़ रुपये थी; और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु नामक एक कंपनी ने उसे खरीद लिया।

उसने मुझे बेहद आश्चर्य से देखा। दूसरी, चूंकि हममें से ज्यादातर लोग सक्रिय रचनात्मक जिंदगी जीने की बजाय निष्क्रिय उपभोक्ता के रूप में जीते हैं, इसलिए इन क्रिकेटरों की चमक-दमक से जुड़ी परी कथाओं से विस्मित हो जाना मुश्किल नहीं। उनका ग्लैमर, उनकी 'ब्रांड वैल्यू', उनके 'प्रेम प्रसंग', यत्न करके गढ़ी गई छवि और उनकी जीवनशैली हमें लुभाती है। दरअसल, वे बॉलीवुड सेलेब्रिटीज से कम 'भड़कीली हकीकत' नहीं हैं। सिर्फ़ इतना ही नहीं। बाजारवाद की खींच इतनी अधिक कि यदि आप किसी भी आईपीएल टीम के खिलाड़ियों की जर्सी पर अलग-अलग प्रायोजकों के प्रतीक चिन्ह (लोगो) देखें, तो लगेगा मानो वाकई 'चलते-फिरते बिल बोर्ड' बन चुके हैं। दरअसल, खेलते वक्त भी वे आपको यह उत्पाद खरीदने के लिए लालायित करते हैं। यही मुद्रा घुमाने का चक्र है। आप और हम पागल हो जाते हैं, आईपीएल की टिकट ब्लैक में खरीदते हैं या घंटों टीवी के सामने बैठकर जिंदगी की एकरसता से उबरने के लिए क्रिकेट देखते हैं। और इस बीच, क्रिकेटर और उनके प्रायोजक दिमाग हिला देने वाली दौलत कमाते हैं। और तीसरी, एक अन्य कठोर सच्चाई, जिसे स्वीकार करना महत्वपूर्ण है। क्रिकेट का हथियारीकरण। जी हां, नवउदारवाद और अति-राष्ट्रवाद एक साथ चल रहे हैं; और इसलिए, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि क्रिकेट की व्यापक अपील का इस्तेमाल अक्सर अति-राष्ट्रवादी आवेगों को सक्रिय करने में एक औजार के रूप में किया जाता है।

कल्पना करें कि भारत और पाकिस्तान विश्व कप में खेल रहे हैं। हमें खेल को युद्ध की तरह लेने को बरगला दिया जाता है। जहां मैच में जीत आत्ममुग्धता भरे अहंकार को बढ़ाती है, वहीं हार सामूहिक शोक में डुबा देती है। वास्तव में, क्रिकेट को अति-राष्ट्रवादी चश्मे से देखना तमाम किस्म की विकृतियों को जन्म देता है। आप किसी पाकिस्तानी क्रिकेटर के गेंदबाजी कौशल की तारीफ नहीं कर सकते जो विराट कोहली या रोहित शर्मा को कड़ी मुश्किल डाल रहा हो। क्या पता आप इस किस्म का 'राष्ट्र-विरोधी' धत्तकर्म कर बैठें और बुलडोजर आपके घर को निशाने पर ले? दरअसल, इस किस्म के क्रिकेट उन्माद के बीच अति-राष्ट्रवादी प्रशंसकों का गिरोह अपनी निगरानी मशीनरी को तेज कर देता है, और नोट करता है कि क्या देश के संभावित 'दुश्मन' भारत का समर्थन कर रहे हैं या जब कोई पाकिस्तानी बल्लेबाज खूबसूरती से खेले, और शतक बना डाले, तो तालियां बजा रहे हैं।

आंवला और एलोवेरा जूस

आमतौर पर आंवला और एलोवेरा दोनों का सेवन शरीर को कई समस्याओं से दूर रख सकता है। लेकिन अगर इन दोनों का सेवन एक साथ किया जाए तो सेहत को कई फायदे भी हो सकते हैं। आंवला विटामिन सी का पावरफुल स्त्रोत है, जो त्वचा को चमकदार और जवान बनाए रखता है। यह आंखों के लिए भी फायदेमंद होता है। साथ ही एलोवेरा त्वचा को भीतर से साफ करता है और ग्लोइंग बनाता है। बालों और स्किन दोनों के लिए एलोवेरा लाभकारी माना जाता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच आंवला जूस में दो चम्मच एलोवेरा जूस मिला लें। अब इस मिश्रण में एक गिलास पानी मिलाएं। स्वाद के लिए थोड़ा शहद भी मिला सकते हैं। आंवला और एलोवेरा जूस सुबह खाली पेट पीने से ज्यादा फायदा मिलता है।

जूस सेवन का तरीका

चाहे आंवला का जूस हो या चुकंदर का जूस हो, सही तरीके और समय पर सेवन से ही बेहतर परिणाम मिलता है। जूस ताजी सामग्री से बनाएं। ध्यान दें कि जूस बनाकर रखें नहीं, बल्कि ताजा जूसस ही पिएं। नियमित सेवन से जल्द असर नजर आएगा। एलर्जी या विशेष स्वास्थ्य समस्या हो तो डॉक्टर से सलाह के बाद ही सेवन करें।

चेहरे का ग्लो बरकरार रखेंगे ये तीन जूस

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, प्रदूषण, तनाव और अस्वस्थ खानपान का सीधा असर हमारे चेहरे पर दिखने लगता है। त्वचा बेजान और मुरझाई सी लगने लगती है। खिले और दमकते चेहरे की चाहत हर किसी को होती है। इसके लिए लोग तरह-तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का उपयोग करते हैं। हालांकि चेहरे पर निखार लाने के लिए केवल बाहरी देखभाल ही जरूरी नहीं है, बल्कि शरीर के अंदर से भी पोषण मिलना बेहद आवश्यक है। ऐसे में अगर आप प्राकृतिक तरीके से चेहरे पर चमक (ग्लो) लाना चाहते हैं, तो जूस का सेवन सबसे असरदार उपाय है। कुछ खास फलों और सब्जियों से बने जूस न केवल शरीर को अंदर से डिटॉक्स करते हैं, बल्कि त्वचा को पोषण देकर उसमें प्राकृतिक निखार लाते हैं। ये जूस न केवल स्किन को ग्लोइंग बनाते हैं, बल्कि शरीर को भी अंदर से सेहतमंद रखते हैं। इन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल करके इसका असर देखा जा सकता है।

खीरा और पुदीना का जूस

गर्मियों में बाजारों में खीरा और पुदीना आसानी से मिल जाते हैं। ये दोनों ही गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखने में असरदार हैं। खीरा और पुदीना का जूस त्वचा के लिए भी लाभकारी हो सकता है। खीरा त्वचा को हाइड्रेट करता है और ठंडक पहुंचाता है। पुदीना त्वचा से जुड़ी सूजन और जलन को कम करने में मदद करता है। गर्मी में रोजाना खीरा और पुदीना का जूस पी सकते हैं। इसके लिए एक खीरा छीलकर काट लें। इसमें एक मुट्ठी ताजा पुदीने की पत्तियां मिलाएं। दोनों को अच्छे से धो लें। अब खीरा और पुदीना को पीस लें। स्वाद बढ़ाने के लिए थोड़ा नींबू और नमक मिला सकते हैं। यह शरीर को हाइड्रेट रखेगा और त्वचा में चमक लगाएगा।

गाजर और चुकंदर

चुकंदर खून को साफ करता है और चेहरे पर प्राकृतिक लालिमा लाता है। वहीं गाजर में बीटा-कैरोटीन और विटामिन ए होता है, जो त्वचा की रंगत निखारता है। यह जूस खून को भी साफ करता है, जिससे त्वचा में निखार आता है। यह मुंहासों, दाग-धब्बों और पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए एक गाजर और आधा चुकंदर लें। दोनों को अच्छे से धोकर छोटे टुकड़ों में काटें। अब मिक्सी या जूसर में थोड़ा पानी डालकर पीस लें। इस मिश्रण को छानकर जूस निकालें और थोड़ा नींबू का रस मिलाएं। इस जूस के सेवन से खून साफ होगा और त्वचा की रंगत में निखार आएगा।

हंसना मना है

सांता के 9 बेटों में 1 अलग दिखता था, सांता ने मरते वक्त बीवी से पूछा, अब तो सच बता ये अलग दिखने वाला किसका है? बीवी : ये 1 ही तो आपका है!

पहला सरदार : मैंने अपनी वाईफ को 12वी पास करवाई, फिर, बीए, फिर एमए, और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार : अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

सरदार ट्रेन की पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला- ट्रेन आएगी तो मर जायेगा, सरदार : अबे, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ, तो ट्रेन क्या चीज है?

लड़का : यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त : क्यों? लड़का : जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, तब से वह 'चाकू' लेके मेरे पीछे पड़ गयी है!

लड़की : परसों मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यूं? लड़का : अगर मैं तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

बेटा : मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

कहानी | अपनी गठरी टटोलें

दो आदमी यात्रा पर निकले! दोनों की मुलाकात हुई, दोनों का गंतव्य एक था तो दोनों यात्रा में साथ हो चले। सात दिन बाद दोनों के अलग होने का समय आया तो एक ने कहा- भाई साहब! एक सप्ताह तक हम दोनों साथ रहे क्या आपने मुझे पहचाना? दूसरे ने कहा- नहीं, मैंने तो नहीं पहचाना। पहला यात्री बोला- महोदय मैं एक नामी ठग हूं परन्तु आप तो महाठग हैं। आप मेरे भी गुरू निकले। दूसरे यात्री बोला- कैसे? पहला यात्री- कुछ पाने की आशा में मैंने निरंतर सात दिन तक आपकी तलाशी ली, मुझे कुछ भी नहीं मिला। इतने दिन साथ रहने के बाद मुझे यह पता है आप बहुत धनी व्यक्ति हैं और इतनी बड़ी यात्रा पर निकले हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि आपके पास कुछ भी नहीं है? बिल्कुल खाली हाथ हैं! दूसरा यात्री- मेरे पास एक बहुमूल्य हीरा है और थोड़ी-सी रजत मुद्राएं भी है। पहला यात्री बोला- तो फिर इतने प्रयत्न के बावजूद वह मुझे मिले क्यों नहीं? दूसरा यात्री- मैं जब भी बाहर जाता, वह हीरा और मुद्राएं तुम्हारी पोटली में रख देता था और तुम सात दिन तक मेरी झोली टटोलते रहे। अपनी पोटली संभालने की जरूरत ही नहीं समझी। तो फिर तुम्हें कुछ मिलता कहां से! ईश्वर नित नई खुशियां हमारी झोली में डालते हैं परन्तु हमें अपनी गठरी पर निगाह डालने की फुर्सत ही नहीं है, यही सबकी मूलभूत समस्या है। जिस दिन से इंसान दूसरे की ताकझाख बंद कर देगा उस क्षण सारी समस्या का समाधान हो जाऐगा। अपनी गठरी टटोलें! जीवन में सबसे बड़ा गूढ मंत्र है स्वयं को टटोले और जीवन-पथ पर आगे बढ़ें सफलतायें आप की प्रतीक्षा में है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन

प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क

नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

सिंह

पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है।

कन्या

पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रसन्नता रहेगी।

तुला

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक

शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु

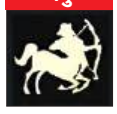

यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर

कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

कुम्भ

नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

मीन

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी।

बॉलीवुड | अपकमिंग

पिछले तीन-चार सालों में सिनेमा में कोई बदलाव नहीं आया है : आमिर

आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म ने पहले हफ्ते में 88.69 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। इस फिल्म को लेकर आमिर खान ने एक और फैसला लिया था जिसमें ये कहा गया कि फिल्म थिएटर के बाद किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज नहीं होगी। द राइट एंगल विद सोनल कालरा के एक एपिसोड में ओटीटी पर फिल्में स्ट्रीम करने को लेकर आमिर अपनी बात पर अड़े रहे और इस बारे में खुलकर बात की। आमिर से सोनल ने सवाल किया कि क्या इस तरह की रिलीज से लोग फिर से थिएटर में फिल्में देखना पसंद करेंगे? इस पर जवाब देते हुए आमिर ने कहा कि पिछले तीन-चार सालों में सिनेमा की गुणवत्ता में कोई बदलाव नहीं आया है। जैसी फिल्म 10 साल या 8 साल पहले बन रही थी, क्वालिटी अभी भी वही है। कुछ अच्छी होती थी पहले, कुछ बुरी। अंतर यह है कि पहले फिल्में रिलीज के छह महीने बाद ओटीटी पर आती थीं। अगर आप मुझे कोई ऑफर देते हैं थिएटर आएं या फ्री में घर पर देखो, मैं कहां देखूंगा? दुनिया भर में, फिल्म इंडस्ट्री के लोग सिर क्यों खुजला रहे हैं, मुझे समझ नहीं आ रहा। सितारे जमीन पर में जेनेलिया डिसूजा लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आईं। इसके अलावा अरौश दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर जैस नए कलाकार भी फिल्म में हैं। फिल्म की कहानी दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में आमिर एक बास्केटबॉल कोच की भूमिका में हैं, जो दस स्पेशली ऐबल्ड बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं। इसका निर्माण आमिर ने अपर्णा पुरोहित और रवि भागचंदका के साथ किया है।

काजोल की 'मां' सिनेमाघरों में हुई रिलीज

बॉलीवुड | मसाला

काजोल की बहुप्रतिक्षित फिल्म मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। यह एक हॉरर फिल्म है, जिसे विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित किया गया है। यह एक मां की कहानी है, जो अपनी बेटी को प्रेत बाधाओं से बचाने का प्रयास करती है। इस फिल्म को देखने के बाद नेटिजंस एक्स पर रिएक्शंस दे रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि फिल्म वाकई आपको डरा सकती है और भावनात्मक पहलुओं को बहुत खूबसूरत ढंग से दिखाया गया है, वहीं कुछ इसे खराब बता रहे हैं। फिल्म को लेकर मिले-जुले रिएक्शंस आ रहे हैं। आइए जानते हैं नेटिजंस ने क्या कहा।

शुक्रवार को फिल्म के रिलीज होते ही एक्स पर नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। कुछ यूजर्स मां को बहुत अच्छी फिल्म बता रहे हैं, तो कुछ इसे अजय देवगन की शैतान से कम आंक रहे हैं। इसके अलावा कुछ लोग इसे मजाक बता रहे हैं। फिल्म को लेकर कोई 4 स्टार दे रहा है तो कोई 2। इन बातों को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि इसे औसत फिल्म बताई जा रही है।

मां फिल्म की कहानी की बात करें, तो काजोल ने इसमें अंबिका का किरदार निभाया है। फिल्म में अंबिका अपने पति शुवांकर (इंद्रनील सेनगुप्ता) और बेटी श्वेता (खेरिन शर्मा) के साथ कोलकाता में रह रही है। पश्चिम बंगाल में चंद्रपुर नाम का एक गांव है, जहां शुवांकर अपने पिता के निधन के बाद जाता है। इसके बाद उसे राक्षसों द्वारा मार दिया जाता है। कुछ महीनों के बाद, पूर्वजों की हवेली को बेचने के लिए, अंबिका और श्वेता चंद्रपुर जाती हैं, लेकिन इसके बाद वहीं की दैत्य शक्तियां अंबिका की बेटी श्वेता के पीछे पड़ जाती हैं। इसके बाद मां अपनी बेटी का बचाने के लिए सारी हदें पार करती हैं। इसी आधार पर कहानी आगे बढ़ाया जाता है।

मां फिल्म को अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित और कुमार मंगत पाठक द्वारा सह-निर्मित किया गया है। फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्त, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह, सूर्यसिखा दास, यानी भारद्वाज, रूपकथा चक्रवर्ती और खेरिन शर्मा सहायक भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली में रिलीज किया गया है।

फिल्म 'कन्नप्पा' में स्पेशल कैमियो करेंगे अक्षय कुमार

अपनी फिल्मों के जरिए हर रंग में रंगे नजर आते हैं। एक्शन, देशभक्ति, कॉमेडी या ड्रामा कोई भी फिल्म क्यों न हो खिलाड़ी कुमार के जोश में जरा भी कमी नहीं आती है। सालभर फिल्मों की शूटिंग में बिजी रहने वाले अक्षय इस वक्त अपनी फिल्म कन्नप्पा को लेकर चर्चा में हैं। कन्नप्पा यूं तो साउथ स्टार विष्णु मांचू की लीड फिल्म है। लेकिन इस फिल्म में अक्षय स्पेशल कैमियो करते हुए नजर आ रहे हैं। कन्नप्पा में एक्टर भगवान शिव बने हैं। हालांकि ये पहली बार नहीं है, जब अक्षय भगवान के किरदार में दिखाई देंगे, इससे पहले वो जब-जब भगवान बने हैं, उनकी फिल्में सुपरहिट साबित हुई हैं।

अक्षय कुमार को कन्नप्पा में भगवान शिव के किरदार में चुने जाने पर विष्णु मांचू ने कहा था कि उन्हें खुद भगवान शंकर ने इसके लिए चुना है। बीते कुछ सालों में अक्की शिव जी के किरदार में कई बार नजर आ चुके हैं। वो भोले शंकर के गानों में भी दिखाई दे चुके हैं। वहीं चलिए जानते हैं कि अक्षय कुमार जिन फिल्मों में भगवान बनें उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर कितने करोड़ का कारोबार किया।

ओह माई गॉड, साल 2012 में अक्षय कुमार और परेश रावल फिल्म ओएमजी में साथ नजर आए थे। फिल्म में दर्शकों के लिए खूबसूरत मैसेज था और बताया गया था कि कैसे भगवान के नाम पर तगड़ा कारोबार चल रहा है। इस फिल्म में अक्षय ने भगवान कृष्ण का किरदार निभाया था, जो अपने भक्त को सही मार्ग पर चलने में उनका साथ देते हैं। इस फिल्म को बनाने के लिए मेकर्स ने महज 20 करोड़ का खर्चा किया था और फिल्म ने दुनिया भर में 221.75 करोड़ का छप्परफाड़ कलेक्शन किया था। इस फिल्म को सभी ने बेहद पसंद किया था।

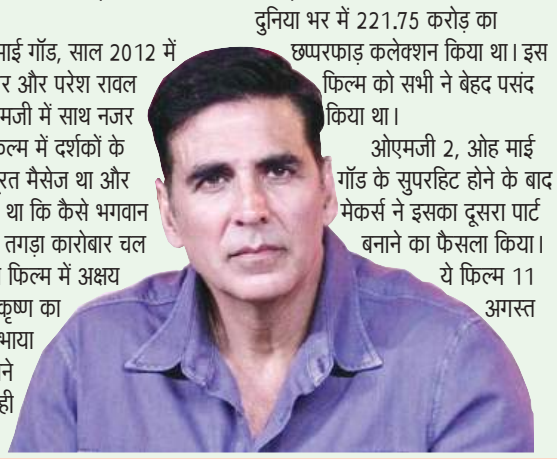

ओएमजी 2, ओह माई गॉड के सुपरहिट होने के बाद मेकर्स ने इसका दूसरा पार्ट बनाने का फैसला किया। ये फिल्म 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज की गई। फिल्म में इस बार अक्षय भगवान शिव बने नजर आए। उन्हें भगवान भोले शंकर के किरदार में देख दर्शक काफी खुश हुए। इस बार अक्की के साथ पकंज त्रिपाठी नजर आए थे और पहले की तरह इस बार भी फिल्म में बच्चों के लिए एक खास मैसेज था। इस बार इसे 150 करोड़ के बजट के साथ बनाया था और फिल्म ने 200 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया था। ये फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई थी।

कन्नप्पा, विष्णु मांचू की कन्नप्पा में एक बार फिर से अक्षय कुमार को भोले शंकर के रूप में देखा जा रहा है। विष्णु का मानना है कि अक्षय से बेहतर ये किरदार कोई और नहीं निभा सकता है। अक्की भगवान शिव के रूप में काफी जचते भी हैं। अब ऐसे में खिलाड़ी कुमार के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए ये अंदाजा लगाना गलत नहीं होगा कि एक बार फिर से वो भगवान का रूप धारण करके फिल्म को सुपरहिट बना सकते हैं।

अजब-गजब | यहां चलता है महिलाओं का राज,

दुनिया के वो 6 गांव, जहां पुरुष नहीं औरतें होती हैं लीडर!

पुरुष और औरतें एक बराबर हैं मगर हमारे सामाजिक ढांचों में पुरुष को ज्यादा अहमियत दी जाती है। हालांकि, दुनिया में कई समाज, समुदाय ऐसे भी हैं जहां औरतों का दबदबा होता है। जहां पूरी दुनिया में पितृसत्ता की जड़ें गहरी हैं और समाज में पुरुषों को ही नेतृत्व, संपत्ति और निर्णय का अधिकार मिलता है, वहां कुछ समुदाय ऐसे भी हैं जो इस परंपरा को चुनौती देते हैं। ये मातृसत्तात्मक या मातृवंशीय समाज न केवल महिलाओं को बराबरी का दर्जा देते हैं, बल्कि उन्हें नेतृत्व, संपत्ति, परंपरा और संस्कृति में भी अग्रणी भूमिका देते हैं। हम आपको ऐसे ही 6 समुदायों के बारे में बता रहे हैं।

खासी जनजाति- भारत (मेघालय): पूर्वोत्तर भारत के मेघालय राज्य की खासी जनजाति में मातृवंशीय परंपरा का पालन होता है। यहां संपत्ति, जमीन और पारिवारिक विरासत बेटियों के नाम होती है। लड़कियां परिवार की अगली कड़ी मानी जाती हैं। महिलाएं घरेलू ही नहीं, सामुदायिक निर्णयों में भी अहम भूमिका निभाती हैं। विवाह के चयन और तलाक पर भी महिलाओं की स्वतंत्रता को सम्मान दिया जाता है। यहां महिलाओं को समाज में ऊंचा दर्जा प्राप्त है, और पुरुष परिवार में मेहमान जैसे माने जाते हैं।

मोसूओ जनजाति - चीन: दक्षिण-पश्चिम चीन

की मोसूओ जनजाति को चीन का आखिरी मातृवंशीय समाज माना जाता है। यहां संपत्ति मां की लाइन से अगली पीढ़ी को जाती है। बच्चों की परवरिश मां और मामा मिलकर करते हैं। पारंपरिक विवाह की जगह यहां वॉकिंग मैरिज होती है, जिसमें पुरुष रात को महिला के घर आते हैं और संबंध आपसी सहमति पर निर्भर करते हैं। पुरुषों की भूमिका सीमित होती है, जबकि महिलाएं घर और समाज दोनों चलाती हैं। **ब्रिब्री जनजाति- कोस्टा रिका:** कोस्टा रिका की ब्रिब्री जनजाति में भी मातृवंशीय परंपराएं निभाई जाती हैं। यहां भूमि और आध्यात्मिक ज्ञान बेटियों को विरासत में दिया जाता है। महिलाएं परंपराओं की रक्षक मानी जाती हैं। महिला शमानी समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारियां निभाती हैं।

मिनांगकबाऊ- इंडोनेशिया: इंडोनेशिया के वेस्ट सुमात्रा क्षेत्र की मिनांगकबाऊ जनजाति दुनिया की सबसे बड़ी मातृवंशीय जनसंख्या में से एक है। धन और संपत्ति मातृ पक्ष से चलती है। महिलाएं पारिवारिक और सामाजिक निर्णयों में अग्रणी भूमिका निभाती हैं। पुरुष धार्मिक और प्रशासनिक कार्यों में भाग लेते हैं जिससे लैंगिक संतुलन बना रहता है।

अकरन लोग- घाना: घाना के अकरन समुदाय में भी संपत्ति और वंश परंपरा महिलाओं की रेखा से चलती है। महिलाएं परिवार और समुदाय के निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हालांकि, पुरुष धार्मिक और राजनीतिक पदों पर रहते हैं, लेकिन महिलाओं का प्रभाव स्थायी और गहरा होता है। सामाजिक संरचना में महिलाएं सम्मानित और शक्तिशाली मानी जाती हैं।

उमोजा गांव- केन्या: उमोजा, जिसका अर्थ है एकता, केन्या का एक महिलाओं का विशेष गांव है। इसकी स्थापना 1990 में उन महिलाओं ने की थी जो लैंगिक हिंसा से बचकर निकली थीं। यहां पुरुषों को बसने की अनुमति नहीं है। महिलाएं पर्यटन, हस्तशिल्प और महिला अधिकारों की शिक्षा से अपनी आजीविका चलाती हैं। यह गांव सुरक्षा का स्थान ही नहीं, बल्कि स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुका है।

इस देश के आर्मी बेस पर चूहों का हमला! गंदगी और बदबू ने सैनिकों का जीना किया मुहाल!

ब्रिटिश आर्मी के सबसे बड़े बेस पर हमला हो गया है, घबराइए नहीं, ये हमला इंसानों का नहीं, बल्कि चूहों का है। सैनिक गंदगी और बदबू से परेशान हो चुके हैं। ब्रिटिश सेना का सबसे बड़ा बेस कैटरिक गैरीसन इन दिनों भारी कचरे, चूहों और गंदगी से जूझ रहा है। सैनिकों का कहना है कि शिविर के अंदर कचरे के ढेर, भरे हुए डस्टबिन, टूटी हुई गाड़ियां और गंध ने हालात को बद से बदतर बना दिया है। सैनिकों ने यहां तक कहा कि शिविर की स्थिति अब झुग्गियों जैसी हो गई है। उत्तर यॉर्कशायर के इस सैन्य बेस में 13,000 से अधिक सैनिक और उनके परिवार रहते हैं। यह ब्रिटिश सेना का प्रमुख ट्रेनिंग सेंटर है, जहां इन्फेंट्री सैनिकों की ट्रेनिंग होती है। यहां इंटेलिजेंस कॉर्प्स, रॉयल लांसर, रॉयल यॉर्कशायर रेजिमेंट और रॉयल मिलिट्री पुलिस की यूनिट्स भी तैनात हैं। हाल ही में सामने आए तस्वीरों में डस्टबिन से गिरते कचरे के ढेर, लॉन पर बिखरे प्लास्टिक बैग, और पार्किंग में जली हुई कारें दिख रही हैं। इन दृश्यों ने सेना के अनुशासन और सफाई की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया- यहां हर कोने में चूहे घूमते हैं। डस्टबिन भर चुके हैं और हर जगह गंदगी फैली हुई है। यह हमारा घर है और हर सुबह बदबू और कीड़ों के बीच जागना बहुत बुरा अनुभव है। उन्होंने यह भी कहा कि यह स्थिति सैनिकों को सेना छोड़ने पर मजबूर कर रही है- सेना की नौकरी अपने आप में कठिन है, लेकिन कम से कम कैंप का जीवन आरामदायक होना चाहिए लेकिन अब कोई यहां रहना नहीं चाहता। सेना ने बताया कि कचरे की जिम्मेदारी उत्तर यॉर्कशायर काउंसिल की है। काउंसिल ने सफाई न होने का कारण बताया कि गलत प्रकार का कचरा गलत डिब्बों में डाला गया, जिससे उनकी सफाई में बाधा आई। कर्नल फिलिप इंग्राम, जो पहले इसी बेस में इंटेलिजेंस कॉर्प्स के कमांडर रह चुके हैं, ने इस स्थिति को प्रशासन और सेना दोनों की बड़ी असफलता बताया।

मतदाता सूची नए सिरे से तैयार करने पर उठे सवाल

नीतीश और मोदी डरे हुए हैं : तेजस्वी

» चुनाव से 2 महीने पहले वोटर लिस्ट सत्यापन को लेकर भड़के राजद नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्देश जारी किए हैं। इसका मतलब है कि बिहार के लिए मतदाता सूची नए सिरे से तैयार की जाएगी। अब इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े किए है। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की घोषणा की है। इसका मतलब है कि 8 करोड़ बिहारियों की मतदाता सूची को दरकिनार कर दिया गया है और एक नई सूची बनाई जाएगी।

कांग्रेस ने राज्य मशीनरी के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया

तेजस्वी से सवाल किया कि चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों किया जा रहा है? क्या 25 दिनों के भीतर आठ करोड़ लोगों की मतदाता सूची बनाना संभव है? मांगे गए दस्तावेज़ ऐसे हैं जो गरीबों के पास शायद ही हों। हमारा प्रतिनिधिमंडल इस मामले को लेकर चुनाव आयोग से संपर्क करेगा। सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी डरे हुए हैं। वे चाहते हैं कि गरीबों का नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। वे समाज के गरीब तबके से वोट देने का अधिकार छीनना चाहते हैं।

वहीं कांग्रेस ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जानबूझकर बाहर करने का जोखिम है।

जन सुराज की जीत जनता की जीत होगी : पीके

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि हमारा एक ही लक्ष्य है कि बिहार की जनता इस बार नंबर वन रहेगी, लालू यादव, नीतीश कुमार और पीएम मोदी सब नीचे जाएंगे। यह प्रशांत किशोर या जन सुराज की जीत नहीं होगी, यह जनता की जीत होगी। उन्होंने कहा कि जो लोग भ्रष्टाचार, नेताओं की लूट के कारण 30-35 सालों से गरीबी में जी रहे हैं, जिनके बच्चे अनपढ़ रह गए, जिनके बच्चे मजदूर बन गए, अब सब जाग चुके हैं। सबने तय कर लिया है कि बिहार में शिक्षा और रोजगार के लिए नई व्यवस्था लानी है।

एनआरसी से भी ज्यादा खतरनाक योजना: ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) से भी ज्यादा ख़तरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहाँ अगले साल चुनाव होने हैं, असली 'लक्ष्य' है। आपको बता दें कि सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र प्रस्तुत करना होगा, तथा 2003 के बाद पंजीकृत मतदाताओं को आयोग द्वारा निर्दिष्ट दिशा-निर्देशों और अनुसूची के अनुसार अपनी नागरिकता सिद्ध करने वाले दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे।

महागठबंधन एकजुट होकर लड़ेगा चुनाव : अखिलेश प्रसाद सिंह

» पूर्व कांग्रेस सांसद बोले- तेजस्वी यादव होंगे मुख्यमंत्री पद का चेहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जहानाबाद पहुंचे कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने साफ तौर पर कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी प्रसाद यादव ही होंगे। उन्होंने कहा कि आज भी विधानसभा में महागठबंधन के सभी विधायक तेजस्वी यादव के नेतृत्व में काम कर रहे हैं, और कोऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी उन्हें ही सौंपी गई है। कांग्रेस नेता ने बताया कि सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में कई दौर की बातचीत हो चुकी है और समय आने पर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

उन्होंने भरोसा जताया कि महागठबंधन मिलकर आगामी चुनाव लड़ेगा और जीत दर्ज करेगा। डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि अब उनकी हालत ठीक नहीं है, वह अचेत अवस्था में हैं और बिहार की जनता उन्हें नकार चुकी है। उन्होंने दावा किया कि इस बार जनता ने उन्हें सत्ता से हटाने का मन बना लिया है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में भले ही कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला, लेकिन झारखंड की तरह बिहार में भी महागठबंधन की सरकार बनेगी और एनडीए को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष इश्तियाक अहमद, रूद्रेश शर्मा, कन्हैया समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्वकप की तैयारियों को जांचने उतरेगा भारत

» महिला टीम का आज होगा इंग्लैंड से टी20 मैच में सामना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नॉटिंघम। अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप की तैयारियों की जांच के लिए भारतीय महिला टीम के पास इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से अच्छा मौका नहीं होगा। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम आगामी पांच मैचों की सीरीज के जरिये इंग्लैंड की प्लेइंग कंडीशंस में खुद को ढालना चाहेगी। यहां दोनों का तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी आमना-सामना होना है। विश्वकप के आयोजन में अभी लगभग एक साल का वक्त है, लेकिन पिछले साल ग्रूप चरण में बाहर होने वाली भारतीय टीम के लिए यह सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है।

भारतीय टीम प्रबंधन इंग्लैंड की पिचों की प्रकृति और बदलते मौसम का खेल पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना चाहेगा। टीम प्रबंधन को इसके साथ ही यह पता करने का भी मौका मिलेगा कि इस तरह की परिस्थितियों में किस तरह के खिलाड़ी प्रभाव डाल सकते हैं। विस्फोटक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की वापसी के अलावा भारत ने क्रांति गौड़, श्री चरणी और सायली सतघरे जैसे कुछ नए चेहरों को अपनी टीम में शामिल किया है। पूरी संभावना है कि शेफाली को स्मृति मंधाना के साथ पारी का आगाज करने का मौका दिया जाएगा, क्योंकि उमा छेत्री कुछ मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में प्रभावित नहीं कर पाई थी। वहीं भारतीय टीम की इस दौरे की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और उसे दोनों अभ्यास मैच में हार का सामना करना पड़ा। अब उसका मुकाबला नैट सिवर-ब्रंट की अगुआई वाली मजबूत टीम से होगा। इंग्लैंड की टीम में एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, डैनी व्याट-हॉज और सोफी एक्लेस्टोन जैसे कई अनुभवी खिलाड़ी हैं। इनके अलावा इंग्लैंड एसी वोंग, एलिस कैप्सी और सोफिया डंकले जैसी प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को भी मैदान में उतारेगा। ऐसी परिस्थितियों में हरमनप्रीत, मंधाना, शेफाली, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष को पहले मैच से ही अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

स्नेह राणा और अमनजोत कौर की वापसी पर रहेंगी निगाहें

भारत का यह इस साल का पहला टी20 मैच है और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर स्नेह राणा और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की वापसी पर सबकी निगाहें रहेंगी। राणा फरवरी 2023 के बाद टीम में वापसी कर रही है और इस साल की महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अच्छे प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। भारत को हालांकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर की कमी खलेगी, जो चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला से बाहर हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन को अपनी युवा खिलाड़ियों से अच्छा प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : नम्रता

» गंदगी देख भड़क उठीं अपर नगर आयुक्त

» नाले-नालियों की सफाई पर नगर निगम सख्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरसात को देखते हुए लगातार फील्ड पर निरीक्षण करती दिखाई दे रही हैं अपर नगर आयुक्त

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर नगर निगम लखनऊ द्वारा मानसून से पूर्व नालों और नालियों की सफाई कार्यों को लेकर सख्ती बरती जा रही है। इसी क्रम में अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह ने जोन-4 अंतर्गत लोहिया अस्पताल के सामने और उजरियांव क्षेत्र में सफाई कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। अपर नगर आयुक्त ने नालों की स्थिति का गहन अवलोकन किया और पाया कि कुछ नालों की पहले सफाई की जा चुकी थी, लेकिन उसमें दोबारा कूड़ा-कचरा डाला गया है।

इस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए एसएफआई को निर्देशित किया कि ऐसे स्थानों की तुरंत दोबारा सफाई कराई जाए और निगरानी रखी जाए कि पुन: गंदगी जमा न हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह भी देखा कि कई स्थानों पर नालियों के ढक्कन खुले हुए हैं और कुछ जगहों पर जलभराव की संभावना बनी हुई है। इस पर उन्होंने तत्काल ढक्कन लगाने और जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि नालों के आस-पास सफाई अभियान को सघन किया जाए और प्लास्टिक कचरे को प्राथमिकता से हटाया जाए।

बारिश के समय आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो

उन्होंने स्थानीय सुपरवाइजर और सफाई कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि गंदगी और जलभराव की स्थिति पर पूरी सतर्कता बरती जाए, ताकि बारिश के समय आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नम्रता सिंह ने विशेष रूप से यह भी कहा कि नालियों की सफाई केवल सतही रूप से न हो, बल्कि गहराई तक की जाए, ताकि जलनिकासी बाधित न हो।

महाराष्ट्र के लोग हिंदी विरोधी नहीं लेकिन इसे थोपा न जाए: पवार

» भाषा विवाद पर एनसीपी (पवार) ने साफ किया अपना स्टैंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी (सपा) अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग हिंदी विरोधी नहीं हैं, लेकिन कक्षा 1-4 तक के युवा छात्रों पर हिंदी भाषा थोपना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की 55 प्रतिशत आबादी हिंदी बोलती है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। महाराष्ट्र में भाषा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह एक संशोधित आदेश जारी किया।

जिसमें कहा गया कि कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में छात्रों को हिंदी आम तौर पर तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। यदि किसी स्कूल में प्रति कक्षा 20 छात्र किसी अन्य भारतीय भाषा का अध्ययन करना चाहते हैं, तो वे हिंदी से बाहर रह सकते हैं। यदि ऐसी मांग उठती है, तो या तो शिक्षक की नियुक्ति की जाएगी या भाषा को ऑनलाइन पढ़ाया जाएगा।

कांटा लगा फेम शेफाली जरीवाला की रहस्यमयी मौत!

पहले भी हो चुकीं हैं ऐसी मौतें, क्या मिलेगा न्याय, इंडस्ट्री स्तब्ध, ट्रैजडी डेथ, जहर का एंगल जांच का विषय

» फॉरेंसिक टीम ने कुक मेड को लिया हिरासत में

» पति पराग त्यागी ने पहुंचाया था अस्पताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांटा लगा सांग से करोड़ों भारतीयों के दिलों पर राज करने वाली शेफाली जरीवाला अब हमारे बीच नहीं है। सिर्फ 42 वर्ष की अल्पआयु में बीती रात उनका निधन हो गया। प्रथम दृष्टता हार्ट अटैक से उनकी मौत बताई जा रही है।

लेकिन मुंबई पुलिस और फॉरेंसिक लैब के लोगों द्वारा शैफाली के घर की तलाशी और कुक और मेड को पूछताछ के लिए देर रात अपने साथ ले जाना किसी बड़े संदेह को जन्म दे रहा है। अब शैफाली का पोस्टमॉर्टम होगा और उसके बाद ही पुख्ता तौर पर कहा जा सकता है कि उनको जहर देकर मारा गया या फिर उनकी नेचुरल डेथ है। शैफाली की तबियत खराब होने पर उनके पति पराग त्यागी उन्हें हास्पिटल ले गये थे जहां डाक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कुक/मेड से पूछताछ जारी

मुंबई पुलिस रात एक बजे शैफाली के घर पहुंची और वहां मौजूद परिवार के सदस्यों से पूछताछ की। पुलिस पता लागने की कोशिश कर रही है कि मौत से पहले क्या-क्या हुआ? कैसे उनकी हालत बिड़गी इन सभी चीजों की जांच की जा रही है इसी के साथ रात में, शेफाली के घर काम करने वाली उनके कुक और मेड को पूछताछ के लिए अंबोली पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। शैफाली की मौत के पीछे की वजह अभी भी स्पष्ट नहीं है। शैफाली के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कूपर अस्पताल भेजा गया है।

दिव्या भारती से शैफाली तक

शेफाली की मौत ने एक बार फिर इंडस्ट्री में चमकते चेहरों के पीछे छुपे अंधेरे को उजागर कर दिया है। शैफाली पहली ऐसी महिला कलाकार नहीं है जिनकी रहस्मयी मौत से बालीवुड स्तब्ध है। इससे पहले दिव्या भारती, श्रीदेवी जैसे कलाकारों की भी रहस्मयी मौत हुई हैं। बड़ा सवाल यही है कि क्या यह एक दुखद दुर्घटना है या फिर इसके पीछे कोई गहरी साज़िश है? क्या पराग त्यागी और शेफाली के बीच घरेलू कलह इस त्रासदी की वजह बनी, या घर के ही किसी अन्य सदस्य ने विश्वासघात किया? इन तमाम सवालों के जवाब आने वाले कुछ दिनों में मिल सकते हैं। लेकिन तब तक शैफाली के चाहने वालों और इंडस्ट्री के लिए यह एक ऐसी अपूर्ण कहानी है, जो अधूरी रह गई।

कहीं आत्महत्या तो नहीं?

मनोरंजन जगत से जुड़े फिल्मी रिपोर्टस और उनके सोशल मीडिया एकाउंट पर उनकी फीड से अब यह भी सवाल उठ रहे है कि कहीं उन्होंने आत्महत्या तो नहीं कि। सोशल मीडिया पर शैफाली की कुछ पोस्ट्स में उन्होंने इमोशनल फैटीग और फीलिंग लॉस्ट जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। क्या यह कोई आत्महत्या थी या हत्या, पुलिस फिलहाल सभी एंगल्स की जांच कर रही है। पुलिस कमिशनर ने कहा है कि हम अभी इसे सदिग्ध मौत के रूप में देख रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही हम किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं।

शैफाली के निधन की खबर से उनके फैंस एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सितारे आहत हैं। गायक मीका सिंह समेत अन्य सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपना दुख व्यक्त किया। शैफाली अपने हिट गाने कांटा लगा और बिग बॉस 13 में अपनी उपस्थिति के लिए जानी जाती थीं। गायक मीका सिंह ने इंस्टाग्राम पर लिखा है कि मैं बहुत सदमे में हूं दुखी हूं और मेरा दिल भारी है। हमारी प्यारी दोस्त शेफाली हमें छोड़कर चली गई। अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। शेफाली तुम्हारी शालीनता, मुस्कुराहट और जिंदादिली के लिए आपको हमेशा याद किया जाएगा। अभिनेता अली गोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। अली ने लिखा शेफाली जरीवाला के अचानक निधन की खबर सुनकर स्तब्ध और दुखी हूं। जीवन अप्रत्याशित है। तहसीन पूनावाला ने भी सदमे में हैं। उन्होंने लिखा मेरी दोस्त शेफाली के निधन की खबर सुनकर मैं शॉक्ड हूं। वह मेरे साथ बिग बॉस 13 में थीं। विश्वास नहीं हो रहा कि सिद्धार्थ शुक्ला और अब वह इस दुनिया में नहीं हैं। उनके चाहने वालों को प्यार और सांत्वना। ओम शांति। अभिनेता पारस छाबड़ा ने इंस्टाग्राम पर शेफाली के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा किसी कि जिंदगी कितनी लिखी है कोई नहीं जानता किसकी कितनी सांस है कोई नहीं जानता।

इंडस्ट्री स्तब्ध शोक की लहर

रेप के आरोपी का टीएमसी से कोई संबंध नहीं : शशि

» कोलकाता रेप मामले पर बोलीं मंत्री- पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता में कथित सामूहिक बलात्कार मामले पर पश्चिम बंगाल के मंत्री शशि पांजा ने कहा कि नाम और धर्म जानने के लिए तत्काल पोस्टमार्टम और शव विच्छेदन किया गया। आपको घटना की निंदा करनी चाहिए। अब आप तस्वीरें दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा छात्रों को बलात्कार करना नहीं सिखा रही है।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और शिकायत के 12 घंटे के भीतर तीन लोगों को पकड़ लिया गया। वे हिरासत में हैं और जांच जारी है। उनके मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं और पीड़ता का बयान दर्ज कर लिया गया है। उसने आरोपी का नाम बताया है। इसे गंभीरता से लिया गया है। मंत्री ने कहा कि उसका इलाज चल रहा है, यह बहुत गंभीर घटना है और जब ऐसी गंभीर घटनाएं होती हैं तो राज्य सरकार और पश्चिम बंगाल पुलिस चुप नहीं बैठती, बल्कि तेजी से कार्रवाई करती है। हम नहीं चाहते कि ऐसी कोई घटना हो। ऐसी घटनाओं पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका (आरोपी का) धर्म, जाति, नाम और पहचान कोई मायने नहीं रखती। अगर वे किसी संगठन से जुड़े हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

मंत्री ने दावा किया कि भाजपा सोच भी नहीं सकती कि कोलकाता पुलिस ने जिस तरह से कार्रवाई की। उन्होंने बदनाम करना शुरू कर दिया, अगर वे बंगाल में एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में रहना चाहते हैं, तो उन्हें जिम्मेदारी से व्यवहार करना होगा। उन्होंने कहा कि कोलकाता पुलिस के पास जब 12 घंटे के अंदर शिकायत पहुंची तो पुलिस ने तुरंत 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें पुलिस हिरासत में ले लिया। अभी जांच चल रही है। जैसा कि पीड़िता ने बताया, तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पीड़िता का बयान भी दर्ज कर लिया गया है।

जब दोस्त ही रेप करे तो क्या कर सकते हैं : कल्याण बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी ने कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में एक लॉ छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करके बड़े पैमाने पर राजनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया। घटना पर मीडिया से बात करते हुए, बनर्जी ने कहा कि केवल कुछ ही पुरुष ऐसे अपराध करते हैं और सवाल किया कि अगर एक दोस्त दूसरे दोस्त के साथ बलात्कार करता है तो क्या किया जा सकता है।

टीएमसी सांसद बलात्कारियों के समर्थन में सामने आए : भाजपा

इस बीच, भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ने टीएमसी नेता की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में, पार्टी ने बनर्जी पर आरोपियों के प्रति सहानुभूति दिखाने का आरोप लगाया।भाजपा ने पोस्ट किया कि टीएमसी सांसद बलात्कारियों के समर्थन में सामने आए! कस्बा में, एक कॉलेज छात्रा के साथ टीएमसीपी नेता और उसके गिरोह ने सामूहिक बलात्कार किया। लेकिन टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी महिलाओं की सुरक्षा चिंताओं को केवल राजनीतिक एजेंडा कहते हैं।

तमिलनाडु में पटरी से उतरी पैसेंजर ट्रेन, बड़ा हादसा टला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के रानीपेट जिले में एक ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसके बाद थोड़ी देर के लिए अफरातफरी मच गई थी। जिले के चिट्टेरी रेलवे स्टेशन पर अराकोणम-कटपडी मेमू पैसेंजर ट्रेन (66057) पटरी से उतर गई थी।

हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।बताया जा रहा है कि ट्रेन के चित्तेरी स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही समय के बाद पटरी से उतरने की घटना हुई। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच में पता चला है कि लोको पायलट द्वारा ट्रेन को तुरंत रोकने से पहले तेज आवाज सुनी गई थी। घटनास्थल से जो तस्वीरें सामने आई है, उसे देखकर पता चल रहा है कि ट्रेन के पटरी से उतरने के स्थान पर रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा स्पष्ट रूप से टूटा हुआ दिखाई दे रहा है।

बिहार में चुपचाप एनआरसी लागू कर रहा चुनाव आयोग : ओवैसी

» विधानसभा चुनाव से पहले ओवैसी का बड़ा आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने चुनाव आयोग पर आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में गुप्त रूप से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि नए नियमों के तहत लोगों को अपने और अपने माता-पिता के जन्म विवरण को दस्तावेजों के माध्यम से साबित करना होगा, जो कई गरीब नागरिकों, खासकर बाढ़ प्रभावित सीमांचल में, के पास नहीं है।अपने एक्स पोस्ट में ओवैसी ने कहा कि निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीक़े से एनआरसी लागू कर रहा है। वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवाने के लिए अब हर नागरिक को दस्तावेज़ों के ज़रिए साबित करना होगा कि वह कब और कहाँ पैदा हुए थे, और साथ ही यह भी कि उनके माता-पिता कब और कहाँ पैदा हुए थे।

तमिलनाडु के लोगों को धर्म और जाति के नाम पर बांटने की कोशिश कर रहा केंद्र : स्टालिन

» मुख्यमंत्री का बीजेपी और एआईडीएमके पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने धर्म के नाम पर इस्तेमाल की जा रही नकली आध्यात्मिकता और राजनीतिक नौटंकी की तीखी आलोचना की है और चेतावनी दी है कि राज्य में इस तरह की रणनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनकी टिप्पणी हिंदू मुन्नानी द्वारा हाल ही में आयोजित मुरुगन भक्तरगल मानदु (भगवान मुरुगन भक्त सम्मेलन) की पृष्ठभूमि में आई है, जिसे व्यापक रूप से भाजपा द्वारा राजनीतिक पहुंच बढ़ाने के कदम के रूप में देखा गया था।

स्टालिन ने आरोप लगाया कि भाजपा, एआईएडीएमके के साथ मिलकर तमिलनाडु की आबादी को धार्मिक और जातिगत आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र में बैठे लोग तमिलनाडु के लोगों को धर्म, जाति आदि के नाम पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं और वे ऐसा लगातार कर रहे हैं।

जब वे ऐसा नहीं कर पाए, तो उन्होंने यहां एआईएडीएमके पार्टी से हाथ मिला लिया। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भाजपा दावा कर रही है कि तमिलनाडु में धर्म खतरे में है, लेकिन वास्तविकता यह है कि उनका गठबंधन खतरे में है। उन्होंने कहा कि नकली आध्यात्मिकता और राजनीतिक नाटक को राज्य में कोई जगह नहीं मिलेगी। सीएम ने कहा कि भाजपा ने शुरू में मिस्ड कॉल अभियानों के माध्यम से अपनी सदस्यता बढ़ाने की कोशिश की, और जब वह विफल हो गई, तो अब वह राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का दुरुपयोग कर रही है।

मुख्यमंत्री का यह बयान मुरुगन सम्मेलन में भाग लेने वाले एआईएडीएमके नेताओं की आलोचना के बाद आया है, जिसने इस कार्यक्रम में दिखाए गए वीडियो क्लिप के बाद विवाद को जन्म दिया था, जिसमें कथित तौर पर पेरियार और पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई जैसे तर्कवादी प्रतीकों को नकारात्मक रूप में दिखाया गया था। हालाँकि एआईएडीएमके ने आधिकारिक तौर पर खुद को कार्यक्रम से अलग कर लिया, लेकिन इसके कई पूर्व मंत्रियों की मौजूदगी ने राजनीतिक गर्मी पैदा कर दी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।